मार्गदर्शन और तकनीक बिना किसी रुकावट के मिले

Nav Xpress

क्यूएस रैंकिंग और रेटिंग्स पर कार्यशाला

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में क्यूएस रैंकिंग और रेटिंग्स पर कार्यशाला का आयोजन किया, इसमें क्यूएस रैंकिंग्स और रेटिंग्स के महत्व, गुणवत्ता में सुधार के लिए संस्थानों द्वारा इन्हें अपनाने की जरूरत और दुनिया के बेहतरीन संस्थानों की बेस्ट प्रैक्टिस आदि विषयों पर चर्चा की। आईआईएचएमआर की स्थापना का उद्देश्य था, मैनेजमेंट एजुकेशन और रिसर्च के जरिए भारत व दुनिया के अन्य हिस्सों में स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में सुधार के लिए बेहतरीन प्रतिभाओं को तैयार करना। क्यूएस रैंकिंग और रेटिंग हर साल कम्पाइल की जाती है, ताकि इच्छुक छात्र यह आसानी से पता लगा सकें कि उनसे सम्बंधित विषय के लिए अग्रणी यूनिवर्सिटीज कौन-कौन सी हैं। यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग तय करने के लिए रिसर्च साइटेशन के साथ-साथ एम्प्लॉयर और अकादमिक्स के बड़े वैश्विक रिसर्च को आधार बनाया जाता है। प्रेसिडेंट डॉ.पंकज गुप्ता ने कहा कि हम ऐसा उपयुक्त माहौल और शिक्षण उपलब्ध कराते आ रहे हैं। जहां मार्गदर्शन, स्रोत और तकनीक बिना किसी व्यवधान और रुकावट के लगातार मिलता रहता है। क्यूएस आई-गॉज के हेड क्लाइंट रिलेशंस संतोष कर्णनंदा ने क्यूएस रैंकिंग और रेटिंग दुनिया की टॉप की यूनिवर्सिटीज की पहचान करता है और साथ ही यह जानने का अवसर भी मिलता है कि वहां किन नियमो को अपनाया गया है।